PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

Song: Dekho inhe ye hai oso ki
Lyricist: Prasoon Joshi

ओ...
देखो इन्हें ये हैं ओस की बूँदें
पत्तों की गोद में ये
आसमाँ से कूदे
अंगडाई ले फिर करवट बदल कर
नाज़ुक से मोती हँस दे फिसल कर
खो ना जाए ये तारे ज़मीं पर
ये तो है सर्दी में
धूप की किरने
उतरे जो आँगन को
सुनहरा सा करने
मन के अँधेरों को रोशन सा कर दे
ठिठुरती हथेली की रंगत बदल दे
खो ना जाए ये तारे ज़मीं पर
हो...
जैसे आँखो की ड़िबियाँ में निंदियाँ
और निंदियाँ में मीठा सा सपना
और सपनें में मिल जाए
फ़रिश्ता सा कोई
जैसे रंगो भरी पिचकारी
जैसे तितलियाँ फूलों की क्यारी
जैसे बिना मतलब का प्यारा
रिश्ता हो कोई
ये तो आशा की लहर हैं
ये तो उम्मीद की सहर हैं
खुशियों की नहर है
खो ना जाए ये तारे ज़मीं पर
हो...

आ...
देखो रातों को सीने पे ये तो
झिलमिल किसी लौ से उगे हैं
ये तो अंबिया की खुशबू में
बागों से बह चले
जैसे काँच में चुड़ी के टुकड़े
जैसे खिले खिले फूलो के मुखड़े
जैसे बन्सी कोई बजाए पेड़ों के तले
ये तो झोंके है पवन के
हैं ये घुँघरू जीवन के
ये तो सुर है चमन के
खो ना जाए ये तारे ज़मीं पर
ओ...
मोहल्ले की रौनक गलियाँ है जैसे
खिलने की ज़िद पर कलियाँ हैं जैसे
मुठ्ठी में मौसम की जैसे हवाएँ
ये है बुज़ूर्गों की जैसे दुवाएँ
खो ना जाए ये तारे ज़मीं पर
तारे ज़मीं पर
तारे ज़मीं पर
कभी बातें जैसी दादी नानी
कभी छलके जैसे मम मम पानी
कभी बन जाए
भोले सवालों की झड़ी
सन्नाटे में हँसी के जैसे
सुने होंठों पे खुशी के जैसे
ये तो नूर है बरसे
अगर तेरी क़िस्मत हो बड़ी

PlanetRead

Literacy for a Billion

जैसे झील में लहराए चंदा
जैसे भीड़ में अपने का कंधा
जैसे मनमौजी नदियाँ
झाँग उड़ाए कुछ कहें
जैसे बैठे बैठे मीठी सी झपकी
जैसे प्यार की धीमी सी थंपकी
जैसे कानों में सरगम
हरदम बजती ही रहे
खो ना जाए
खो ना जाए
खो ना जाए

खो ना जाए ये
खो ना जाए ये
खो ना जाए ये

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.